7895

Your Roll No. ....

LL.B. / V Term

ES

Paper LB-502 : JURISPRUDENCE – I

(Theory of Law)

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

Attempt any five questions.
All questions carry equal marks.

Answer the questions giving examples from Indian Legal System.

किन्हीं **पाँच** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्नों के उत्तर भारतीय विधिक प्रणाली से उदाहरण देते हुए लिखिए।

1. (a) Distinguish Austin's "laws properly so called" from "laws improperly so called" with examples.

ऑस्टिन की 'तथाकथित उचित तौर से विधि' को 'तथाकथित अनुचित तौर से विधि' से सोदाहरण सुभेदित कीजिए।

(b) Critically analyse the idea of 'command' and differentiate between particular commands and general commands.

कमांड के विचार का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए और विशिष्ट कमांड तथा साधारण कमांड के बीच भिन्नता दर्शाइए। 20

2. (a) 'Norm' is the meaning of an act by which a certain behaviour is commanded, permitted or authorized. Explain the creation of a norm analysing the relation between 'is' and 'ought' and the relationship between validity and effectiveness of a norm.

'सन्नियम' उस अधिनियम का अभिप्राय है जिसके द्वारा कतिपय व्यवहार को समादेशित, अनुमत या प्राधिकृत किया जाता है। 'है' और 'होना चाहिए' के बीच संबंध और सन्नियम की विधिमान्यता तथा प्रभाविता के बीच संबंध का विश्लेषण करते हुए किसी सन्नियम के सृजन की व्याख्या कीजिए।

(b) Explain law as a normative coercive order comparing a legal community with that of a gang of robbers.

किसी विधिक समुदाय की तुलना लुटेरों के गिरोह से करते हुए प्रादर्शक प्रपीड़क व्यवस्था के रूप में विधि की व्याख्या कीजिए। 20

3. (a) Discuss Hart's criticism of Austin's predictive theory with reference to the idea of obligation.

बाध्यता के विचार के निर्देश सहित ऑस्टिन के भविष्यवाची सिद्धान्त की हार्ट की आलोचना का विवेचन कीजिए।

(b) The rule of recognition is not stated, but its existence is shown in the way in which particular rules are identified, either by courts or other officials or private persons or their advisers. Analyse the statement reflecting on the inter-relationship between the rule of change and rule of recognition. Can you identify ultimate rule of recognition in India?

मान्यता का नियम उल्लिखित नहीं किया गया है किन्तु इसके अस्तित्व को इस रूप में दर्शाया गया है जिसमें नियम विशेष की न्यायालयों द्वारा अथवा अन्य अधिकारियों या निजी व्यक्तियों या उनके सलाहकारों द्वारा पहचान की जाती है। परिवर्तन के नियम और मान्यता के नियम के बीच अन्तर्सम्बंधों को प्रतिबिम्बित करते हुए उक्त नियम का विश्लेषण कीजिए। क्या आप भारत में मान्यता के अंतिम नियम की पहचान कर सकते हैं? 20

4. "The aim of social engineering is to build as efficient a structure of society as possible, which requires the satisfaction of the maximum of wants and desires of people with minimum of friction and waste." Analyse the statement with reference to Indian legal regime.

"सामाजिक इंजीनियरी का ध्येय समाज की यथासंभव दक्ष संरचना का निर्माण करना है जिसके लिए अपेक्षित है लोगों के न्यूनतम मनमुटाव तथा बरबादी के साथ लोगों की अधिकतम चाहतें तथा इच्छाएँ।" भारतीय विधिक व्यवस्था के निर्देश सहित उक्त कथन का विश्लेषण कीजिए। 20

5. Any law making should follow the course of historical development. Custom not only precedes legislation but is superior to it, and legislation should always conform to the popular consciousness. Comment in the light of policy of reservation (creamy layer) being carved out by the judiciary.

विधि निर्माण को ऐतिहासिक विकास के क्रम का अनुगमन करना चाहिए। रूढ़ि न केवल विधान के पहले घटित होती है बल्कि उससे श्रेष्ठ भी है और विधान को सदैव लोकप्रिय चेतना के अनुरूप बने रहना चाहिए। न्यायपालिका द्वारा अपनाई जा रही आरक्षण नीति (क्रीमी लेयर) को ध्यान में रखते हुए टिप्पणी लिखिए। 20

6. (a) The movement of progressive societies has hitherto been a movement from status to contract. Analyse in the light of Indian legal framework.

प्रगतिशील समाजों का संचलन अब तक स्थैतिकी से संविदा तक संचलन रहा है। भारतीय विधिक ढांचे को ध्यान में रखते हुए विश्लेषण कीजिए।

(b) Discuss the evolution of law and legal institutions in the static and progressive societies as propounded by Maine.

जैसा कि मेन ने प्रतिपादित किया है स्थैतिक तथा प्रगतिशील समाजों में विधि और विधिक संस्थाओं के विकास का विवेचन कीजिए। 20

7. Write short notes on any *four* of the following:

(a) Independent political society (Austin)

(b) Internal and external aspect of law (Hart)

(c) Independent and dependent norms (Kelsen)

(d) Withdrawal of a judge from a case affects the credibility of judiciary.

(e) Compare ultimate rule of recognition of Hart with *Grundnorm* of Kelsen.

निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

(a) स्वंतत्र राजनीतिक समाज (ऑस्टिन)

(b) विधि के आन्तरिक तथा बाह्य पक्ष (हार्ट)

(c) स्वाश्रित और पराश्रित सन्नियम

(d) किसी केस से न्यायाधीश के हटने से न्यायपालिका की विश्वसनीयता प्रभावित होती है।

(e) हार्ट के मान्यता के नियम की तुलना केल्सन के मूल सन्नियम के साथ कीजिए। 20

8. In Speluncean Explorers' case there is something more on trial than the fate of the four unfortunate explorers." Critically analyse the statement emphasising your own reasoned preference for any *one* judicial opinion from the case acquitting or convicting the accused.

"स्पेलनसियन एक्सप्लोरर्स के केस में चार अभागे एक्सप्लोरर्स की नियति से अधिक कुछ और भी विचारणाधीन है।" अभियुक्त को दोषमुक्त करते या दोषसिद्ध करते हुए केस से किसी **एक** न्यायिक रांय के वास्ते अपनी स्वयं की तर्कपूर्ण तरजीह पर बल देते हुए उक्त कथन का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए। 20